माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हायर ... परीक्षा

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 3 2 0 परीक्षा का विषय ...

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 14/03/09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A B C या D) ... कोड ... सेट ...

केन्द्र क्रमांक की सील

केन्द्र ... 410001

मुख्य उत्तरपुस्तिका का क्रमांक K 3289623

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	4	1	1	9	3	7	9

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में दो अंकों में 2

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 12 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ...

नाम ... पद Teacher

पता / संस्था ... Public School

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक
1	3		11	13		21		
2	3		12	15		22		
3	4		13	17		23		
4	6		14	19		24		
5	5		15	19		25		
6	5		16	21		26		
7	7		17	23		27		
8	8		18	26		28		
9	9		19	28		29		
10	11		20	29		30		

कुल प्राप्तांक

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन के समय सही पाई गई हैं। होलोग्राफ्ट स्टीकर चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों को जांचा गया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक ... दिनांक........ दिनांक........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

B S E M P

प्रश्नक्रमांक (1) उत्तर

(अ) 5000

(ब) दोनों में से कोई भी

(स) कम

(द) इनमें से कोई नहीं

(इ) कृत्रिम सम्पत्ति

~X~

प्रश्नक्रमांक (2) उत्तर

(अ) नये साझेदार के प्रवेश पर :- फर्म का पुनर्गठन

(ब) लेखांकन प्रमाप -10 का संबंध :- ~~नाममात्र का खाता~~ सम्पत्ति

पुनर्मूल्यांकन खाता :- नाममात्र का खाता

अतिरिक्त लाभ :- पुराने साझेदारों के पूंजी खाते में जमा

(स) साझेदार के अवकाश ग्रहण पर :- प्रीमि का अनुपात

~X~

पृष्ठ

4 | योग पूर्व पृष्ठ [ ] + पृष्ठ 4 के अंक [ ] = कुल अंक

प्रश्नक्रमांक (3) उत्तर

(i) असत्य

(ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

प्रश्नक्रमांक (4) उत्तर

(i) असामान्य हानि खाते में

(ii) कमीशन

(iii) स्थिर पूंजी रखते प्रकृति

(iv) ब्याज खाता

B S E M P

पृष्ठ योग

(v) तीसरे महीने

~X~

प्रश्नक्रमांक (5) उत्तर

(i) प्रेषक को

(ii) साझेदारों के पूंजी खातों में

(iii) ~~न्यायालय~~ अनिवार्य विघटन

(iv) पुराने लाभालाभ अनुपात में

(v) रजिस्टर्ड संघपत्र

~X~

खण्ड - "ब"

प्रश्नक्रमांक (6) उत्तर

साझेदारी संलेख की चार बाते :-

P.T.O.

BSEMP

1. फर्म का नाम तथा पता :- साझेदारी संलेख में फर्म का नाम तथा फर्म के पते का उल्लेख किया जाता है

2. फर्म की अवधि :- संलेख में फर्म कितनी अवधि के लिए व्यवसाय करेगा, इस बात का भी उल्लेख होता है

3. लाभ-विभाजन अनुपात :- साझेदार फर्म के लाभों को किस अनुपात में बाटेंगे, इसका उल्लेख भी किया जाता है

4. पूंजी की मात्रा :- कोई भी साझेदार कितनी पूंजी लायगा, इस बात का उल्लेख साझेदारी संलेख में होता है

5. पारिश्रमिक :- साझेदारों को उनके कार्यों के प्रतिफल स्वरूप पारिश्रमिक दिया जायेगा या नहीं इसका भी उल्लेख करते हैं

BSEMP

6. पूंजी, आहरण पर प्रतिबंध की दर :- कोई साझेदार अतिरिक्त पूंजी लाता है, आहरण करता है, तो उस पर ब्याज की दर आदि का भी उल्लेख किया जाता है।

~ X ~

प्रश्नक्रमांक (५) उत्तर

अंशो के बट्टे पर निर्गमन संबंधी नियम :-

1. केन्द्रीय सरकार की अनुमति :- अंशो का बट्टे पर निर्गमन करने के लिए केन्द्रीय सरकार की अनुमति लेना आवश्यक है।

2. बट्टे की अधिकतम दर :- बट्टे की दर किसी भी कीमत पर 10% से अधिक नहीं होना चाहिए।

3. अनुमति के दो महिने के भीतर निर्गमन :- केन्द्रीय सरकार से अनुमति मिल जाने के दो महिने के भीतर अंशो का निर्गमन करना आवश्यक होता है।

B S E M P

पृष्ठ 7 का योग

4. व्यापार प्रारंभ करने के प्रमाण पत्र के एक साल पश्चात निर्गमन :- व्यापार प्रारंभ करने के प्रमाण पत्र के एक साल बाद ही अंशों का बट्टे पर निर्गमन किया जा सकता है।

5. प्रविवरण में इस संबंध में जानकारी :- बट्टे के पर निर्गमन के संबंध में प्रविवरण में इसके लिए आवश्यक जानकारी देना जरूरी होता है।

6. केन्द्रीय सरकार की शर्तें लागू :- बट्टे पर निर्गमन के संबंध में केन्द्रीय सरकार जो भी शर्तें लागू करती है, इनका पालन करना अनिवार्य होता है।

~X~

प्रश्नक्रमांक (8) उत्तर

P.T.O.

B
S
E
M
P

पृष्ठ ... के अंकों का योग

Journal in the books of HamRaj

Particulars	L.F.	Amt.	Amt.
(i) Furniture a/c Dr		220000	
To Vandor's a/c			220000
(furniture brought)			
(ii) Vandor's a/c Dr		220000	
To 10% debenture a/c			220000
(10% debenture issued instead cash)			
Total		440000	440000

प्रश्नक्रमांक (9) उत्तर

वित्तीय विश्लेषण की सीमाएँ :-

1. असत्य एवं अपूर्ण आंकड़े :- वित्तीय विश्लेषण

की प्रमुख समस्या होती है, असत्य एवं अपूर्ण समझ। इसके कारण वित्तीय विश्लेषण का सही परिणाम प्राप्त नहीं होता।

2. लेखांकन नीति में भिन्नता :- लेखांकन की भिन्न-2 तकनीके होती है, जिसके हम दूसरे फर्मो से सही तुलना नहीं कर पाते है।

3. विश्लेषण की भिन्न-2 तकनीके :- लेखांकन नीति मे भिन्नता के साथ-2 विश्लेषण की नीति में भी भिन्नता पाई जाती है।

4. आंकड़ो की एकरूपता का अभाव :- विश्लेषण प्राप्त आंकड़ो के आधार पर किया जाता है, परन्तु आंकड़ो में ही एकरूपता का अभाव होता है।

5- पूर्वानुमान में कठिनाई :- विश्लेषण पूर्वानुमान पर आधारित होता है, पूर्वानुमान गलत भी हो सकते है।

B S E M P

B S E M P

6. गुणात्मक पहलुओं की उपेक्षा :- वित्तीय विवरणों के विश्लेषण में गुणात्मक पहलु जैसे प्रबंध कुशलता, साख, ईमानदारी आदि पर ध्यान नहीं दिया जाता है।

7. कीमत में परिवर्तन का प्रभाव :- वस्तु की कीमतें परिवर्तित होती रहती है जिसका कोई ध्यान इनमें नहीं रखा जाता है।

प्रश्नक्रमांक (10) उत्तर

रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने के उद्देश्य :-

1. रोकड़ की जानकारी :- रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने से हमें रोकड़ की जानकारी हो जाती है।

2. भावी रोकड़ की आवश्यकता का ज्ञान :- रोकड़ प्रवाह विवरण से हमे भविष्य में रोकड़ की आवश्यकता का ज्ञान हो जाता है।

3. तरलता का ज्ञान :- रोकड़ प्रवाह विवरण से हमें व्यवसाय की अल्पकालीन दायित्वों का भुगतान करने की क्षमता का पता लग जाता है

4. प्रबंधकीय दक्षता का अवलोकन :- रोकड़ प्रवाह विवरण से प्रबंध द्वारा लिए गए निर्णयों की सार्थकता का पता चल जाता है

5. रोकड़ के inflow, outflow का ज्ञान :- रोकड़ प्रवाह विवरण से हमें रोकड़ में कितनी कमी, वृद्धि हुई है, इसका ज्ञान हो जाता है

7. शोधन क्षमता का ज्ञान :- रोकड़ प्रवाह विवरण से हमें व्यवसाय की शोधन क्षमता का पता लग जाता है

BSEMP

पृष्ठ के अंक   योग

प्रश्नक्रमांक (11) उत्तर

Calculation of Consignment Stock.

कुल माल	150	
− चोरी	25	
	125	
− विक्रय	100	
	25	
25 पंखों का लागत मूल्य 25x3000		75000
+ प्रेषक के व्ययों का आनु. भाग		
$\frac{15000}{150} \times \frac{25}{1}$		2500
+ प्रेषणी के व्ययों का आनु. भाग		600
$\frac{3000}{125} \times \frac{25}{1}$		
Total Stock		78100

BSEMP

BSEMP

Calculation Of Abnormal loss

चोरी हुए पंखे 25	
लागत मूल्य 25×3000	75000
प्रेषक के व्ययों का अनुपात	
$\frac{15000}{150} \times \frac{25}{1}$ (15000 struck out to 100; 150 struck out)	2500
Abnormal loss	77500

Calculation of Commission.

general Com. 10%	37500
$\frac{375000 \times 10}{100}$	
del creder com. 1%	3750
$\frac{375000 \times 1}{100}$	
Total com.	41250

Mumbai Consignment A/C
in the books of Raja Ram

Particular	Amt.	Particular	Amt.
To goods sent on consign. a/c	450000	By Shyopur M.H. (sales)	375000
To Cash a/c (exp.)	15000	By Stock with agent	78100
To Shyopur M.H. (exp. + com.)	51750	By Abnormal loss a/c	77500
To Profit transfer to P/L a/c	13850		
	530600		530600

प्रश्न क्रमांक (22) उत्तर

~~Average Profit~~ = ~~42000~~
~~Norm Average Pro~~
~~Actual Profit~~ =

BSEMP

BSEMP

औसत अधिलाभ का पूंजीकरण करके :-

$$\frac{\text{औसत अधिलाभ} \times \text{पूंजी पर प्रत्याय की दर}}{100}$$

⇒

अधिलाभ के आधार पर ख्याति की गणना करने की विधि :-

अधिलाभ के आधार पर ख्याति की गणना करने के लिए सर्वप्रथम अधिलाभ ज्ञात किया जाता है। इस विधि को हम निम्न चरणों में समझा सकते हैं :-

1. अधिलाभ अर्थात सामान्य लाभ पर वास्तविक लाभ का आधिक्य।
2. इसे ज्ञात करने के लिए सर्वप्रथम वास्तविक लाभ में से सामान्य लाभ को घटाया जाता है।
3. प्राप्त राशि अधिलाभ कहलाती है इस अधिलाभ को [illegible] गुणने या लिखने के बराबर (जैसा भी

अंलेख में निश्चित किया हो। ख्याति का मूल्य आंका जाता है

सूत्र :- अधिलाभ :- वास्तविक लाभ - सामान्य लाभ

ख्याति = अधिलाभ X (ख्याति के क्रय के वर्ष की आधार)

इस प्रकार अधिलाभ विधि द्वारा ख्याति ज्ञात की जाती है

* प्रश्नक्रमांक (13) उत्तर *

फर्म में नये व्यक्ति को साझेदार बनाने के कारण :-

1. पूंजी की पूर्ति :- नये व्यक्ति को साझेदार बनाने का मुख्य कारण पूंजी की कमी को पूरा करना होता है

2. विशिष्ट योग्यता :- नया साझेदार बनाने का एक कारण फर्म में विशेष योग्यता वाले व्यक्ति को फर्म में लाना भी है

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

3. फर्म का व्यवसाय विदेशों में फैलाने के लिए :- इस हेतु भी फर्म में ऐसे व्यक्ति को साझेदार बना लिया जाता है जो विदेशों में भी कार्य करे।

4. साझेदार की निवृत्ति या मृत्यु की दशा में :- ऐसी दशा में भी कर्मचारियों की नियुक्ति की बजाय साझेदार की संख्या बढ़ा ली जाती है

5. कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप :- कर्मचारियों को अच्छा कार्य करने के प्रोत्साहन स्वरूप भी उन्हें साझेदार बना लिया जाता है

6. व्यवसाय की प्रगति हेतु :- व्यवसाय की प्रगति के लिए भी नए साझेदार को साझेदार बनाते हैं

7. व्यवसाय की देखरेख हेतु :- व्यवसाय की देखरेख करने के लिए भी नए व्यक्ति साझेदार बनाए जाते हैं

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्नक्रमांक (14) उत्तर

Journal (Rama Limited)

Particulars	Amo.	Amo.
Share Capital a/c Dr.	5000	
To Share Forfeited a/c		3000
To Share allotment a/c		2000
(500 Share forfeited)		
	5000	5000

~X~

प्रश्नक्रमांक (15) उत्तर

(अ) चालूदायित्व एवं सावधान :- चालूदायित्वो से आशय ऐसे दायित्वो से है, जो अल्पावधि के होते है। अर्थात वे दायित्व जो 1 वर्ष या उससे कम अवधि के होते है। इनमें निम्न को शामिल

BSFMP

करते हैं :-

चालू दायित्व :- (i) लेनदार
(ii) B/P
(iii) अदत्त ब्याज
(iv) अल्पकालीन ऋण एवं लाभांश
(v) बैंक अधिविकर्ष
(vi) प्रत्याभूति के loan
(vii) न मांगा गया लाभांश

प्रावधान :- (i) कर्मचारी के लिये प्रोविडेंट फण्ड
(ii) जीवन बीमा पॉलिसी हेतु फण्ड
(iii) अशोध्य ऋण हेतु प्रावधान
(iv) कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष

(ब) **चालू सम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम** :- इनसे तात्पर्य उन सम्पत्तियों से है, जो शीघ्र ही रोकड़ में परिवर्तित की जा सकती हैं। या रोकड़ तुल्य होती है।

चालू सम्पत्तियाँ :- (i) स्टॉक
(ii) देनदार
(iii) B/R
(iv) पूर्वदत्त ब्याज
(v) बैंक में रोकड़
(vi) हस्तस्थ रोकड़

BSEMP

ऋण एवं अग्रिम :- (i) अन्य साझेदारी कम्पनियों को दें प्राप्त किए गए ऋण।
(ii) बैंक से ऋण
(iii) ऋणदाता
(iv) अल्पावधि से अग्रिम एवं ऋण

प्रश्नक्रमांक (16) उत्तर

साझेदारी के समापन और फर्म के समापन में अंतर

अंतर का आधार	फर्म का समापन	साझेदारी का समापन
1. व्यवसाय का अंत	फर्म के समापन पर व्यवसाय बंद हो जाता है	साझेदारी के समापन पर व्यवसाय बंद नहीं होता है
2. साझेदारी का अंत	फर्म के समापन से साझेदारी अनिवार्य रूप से समाप्त हो जाती है	साझेदारी के समापन से फर्म आवश्यक रूप से बंद नहीं होता है
3. साझेदारों के संबंध	फर्म समापन पर साझेदारों के आपसी	जबकि साझेदारी के समापन पर साझेदारों के

BSEMP

पृष्ठ के अंको

सं०	संबंध टूट जाते हैं	किन्तु संबंध बने रहते हैं
4. खाते	फर्म के समापन पर वसूली खाता खोला जाता है	साझेदारी के समापन पर पुनर्मूल्यांकन खाता खोलते हैं
5. लेखा पुस्तकें	फर्म के समापन पर सभी लेखा पुस्तकें अंतिम रूप से बंद कर दी जाती हैं	साझेदारी के समापन पर लेखा पुस्तकें खुली रहती हैं
6. दशाएं	फर्म का विघटन आकस्मिक, अनिवार्य तथा न्यायालय द्वारा हो सकता है	साझेदारी का समापन साझेदार के प्रवेश, निवृत्ति, मृत्यु होने आदि दशाओं में होता है
7. समापन पर प्रक्रिया	फर्म के समापन पर सम्पत्तियों से वसूली तथा दायित्वों का भुगतान कर दिया जाता है	साझेदारी के समापन पर दायित्वों और सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन होता है
8. लाभ	फर्म के समापन पर वसूली लाभ होते हैं	साझेदारी के समापन पर कोई लाभ नहीं होते हैं

BSEMP

BSEMP

प्रश्नक्रमांक (17) उत्तर

Journal Entry

Particulars	Amt.	Amt.
Bank a/c Dr.	30000	
To Share Application a/c		30000
(Application money received)		
Share application a/c Dr	30000	
To Share Cap. a/c		30000
(application money due)		
~~Bank a/c Dr.~~		
~~To Sh.~~		
Share allotment a/c Dr.	90000	
To Share Capital a/c		40000
To Share Premium a/c		50000
(allotment money due with Premium)		

पृष्ठ के अंकों का

24

य

250000 × 12 / 100

60000

25 आरां

4000
20000 × 25 / 125
5

42000

3000 × 150

0000
150000
300000
450000

3.75000
78100
77500

530600
516750
13850

10500
41250
51750

150000
15000
51750
516750

7000
50
350000

9000
20

20
200
4000

7000
20
140000

BSEMP

पृष्ठ के अंको का योग

हायर सेकण्डरी परीक्षा पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ (25)

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये
स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

1. केन्द्र की सील केन्द्र क्र. 418001
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 14-3-09
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक
6. परीक्षा का नाम
7. विषय 8. माध्यम
8. दिनांक

पृष्ठ

B S E M P

Bank a/c Dr.	90000	
To Share allotment a/c		90000
(allotment money received with Premium)		
Share Call a/c Dr.	30000	
To Share Capital a/c		30000
(Share call money due)		
Bank a/c Dr.	29700	
Calls in arrear a/c Dr.	300	
To Sh. Call a/c		30000
(Share call money received but 100 share did not give money)		
Total	300000	300000

पृष्ठ के अंकों का

Q.11 उ. प्रश्नक्रमांक (18) उत्तर

Journal (Hema)

Particulars	Amo.	Amo.
Bank a/c Dr.	350000	
To 5% debenture application a/c		350000
(application money received)		
5% debenture application a/c Dr.	350000	
To debenture a/c		350000
(application money due)		
5% debenture allotment a/c Dr.	14000	
Discount on issue of deb. a/c Dr.	7000	
To debenture a/c		21000
(allotment money due with discount)		
Bank a/c Dr.	1,44,000	
To debenture allot. a/c		140000
To Calls in advance a/c		4000
(allot money received with advance)		

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(3) 76 + 6 = 82

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

(27)

5% debenture call a/c Dr.	140,000	
~~Calls in advance a/c Dr.~~	~~4000~~	
To debenture a/c		140000
(debenture call money due)		
Bank a/c Dr.	136000	
Call in advance a/c Dr.	4000	
To debenture call a/c		140000
(call money received)		

BSEMP

6

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्नक्रमांक (19) उत्तर

तरलता अनुपात :- तरलता अनुपात वह अनुपात होता है ; जो किसी व्यवसाय के अल्पकालीन वित्तीय स्थिति को प्रकट करता है। अर्थात संस्था अपने अल्पकालीन दायित्वों का भुगतान करने की क्षमता रखती है अथवा नहीं। या फिर वह कितनी शीघ्रता में अपने दायित्वों का भुगतान करती है, इसे ही तरलता

ExaminationAns081.pm5

④ | 81 | + | 02 | = | 83 |
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 4 के अंक | कुल अंक

अनुपात कहते हैं

तरलता अनुपात

1. चल अनुपात
2. तरल अनुपात

चल अनुपात :- चल अनुपात, चल सम्पत्तियों और चल दायित्वों के मध्य सम्बन्ध स्थापित करता है चल अनुपात इस हेतु ज्ञात किया जाता है कि क्या संस्था के पास पर्याप्त स्रोत हैं, जो वह दायित्वों का भुगतान कर सकेगी।

सूत्र :- $\frac{\text{चल सम्पत्ति}}{\text{चल दायित्व}}$

तरल अनुपात :- तरल अनुपात, तरल सम्पत्तियों और चल दायित्वों के मध्य संबंध स्थापित करता है तरल अनुपात से तात्पर्य उस अनुपात से है जो यह दर्शाता है कि कंपनी कितनी तीव्रता के साथ अपने दायित्वों का भुगतान करेगी।

BSEMP

2

पृष्ठ के अंकों का योग

हाई स्कूल परीक्षा

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

हायर सेकण्ड्री परीक्षा

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

(29)

1. केन्द्र की सील 418001
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 14-7-09
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक
6. परीक्षा का नाम
7. विषय 8. माध्यम
8. दिनांक

पृष्ठ ~~86~~ 86

परीक्षक के लिये

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक 818105

1. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	4	1	1	9	3	7	9

2. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

82+6 = 88

योग :– ~~चालू सम्पत्तियाँ~~

चालू दायित्व

BSEMP

प्रश्नक्रमांक (20) उत्तर

कार्यशील पूंजी में वृद्धि या कमी को निर्धारित करने के लिए आवश्यक जानकारी।

1. कार्यशील पूंजी से तात्पर्य चालू सम्पत्तियों और चालू दायित्वों के अंतर से होता है

2. सर्वप्रथम चालू सम्पत्तियों में दो वर्ष के स्थितिविवरणों के अंतर की रकम ज्ञात की जाती है तथा उसे Increase अथवा Decrease के कॉलम में लिखा जाता है

पृष्ठ के अंकों का योग 4

(30) ②

~~001612~~

03. ⇒ तत्पश्चात चालू दायित्वों के अंतर की रकम ज्ञात करके, (दो स्थिति विवरणों की रकमों का अंतर) इसे Increase होने पर decrease के कॉलम में तथा decrease होने पर increase के कॉलम में लिखा जाता है।

04. ⇒ तत्पश्चात Increase decrease की रकम से पहले वाले वर्ष के शेष को आधार मानकर प्रतिशत ज्ञात करते है।

05. ⇒ प्रतिशत के आधार पर ज्ञात करते है कि चालू सम्पत्ति एवं चालू दायित्व में कमी या वृद्धि ज्ञात कर ली जाती है।

06. ⇒ चालू सम्पत्तियों में B/R, स्टॉक, देनदार आदि को तथा चालू दायित्वों में B/P लेनदार आदि को शामिल करते है।

~X~

3

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

B
S
E
M
P